



भिक्षु का नया शॉल

लेखक: अरविंद गुप्ता

एक दिन एक भिक्षु भगवान् बुद्ध के पास आया। भिक्षु एक नया 'शॉल' चाहता था।

बुद्ध ने उससे पूछा, "तुम्हारे पुराने शॉल का क्या हुआ?"

"भगवन, वो बहुत पुराना हो गया था और जगह-जगह से फट गया था। मैं उसका चादर की तरह उपयोग करता हूँ," भिक्षु ने जवाब दिया।

बुद्ध ने फिर पूछा, "तुम्हारे पुराने चादर का क्या हुआ?"

"चादर तो फट गयी थी, इसलिये मैंने उसे काटकर तकिये का गिलाफ़ बना लिया था," भिक्षु ने उत्तर दिया।

बुद्ध ने फिर पूछा, "तुम्हारे पुराने गिलाफ़ का क्या हुआ?"

"गिलाफ़ में बड़ा छेद हो गया था, इसलिए मैंने उससे एक पायदान बना लिया," भिक्षु ने उत्तर दिया।



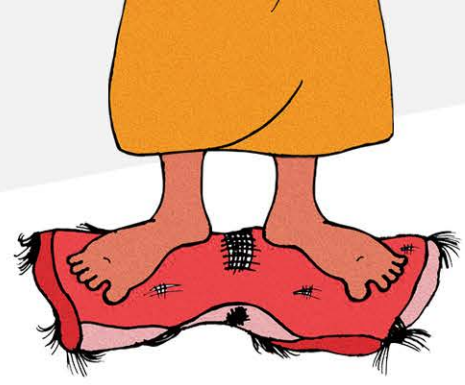
**PRATHAM
BOOKS**

A Book in Every Child's Hand



This story has been provided for free under the CC-BY license by Pratham Books. Illustrated by Debasmita Dasgupta.





बुद्ध इस उत्तर से भी संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने फिर पूछा, “पुराने पायदान का क्या किया?”

भिक्षु ने जवाब दिया, “पुराना पायदान तो एकदम तार-तार हो गया था। मैंने उसके रेशों को इकट्ठा करके अपने दिले के लिए एक बाती बनाई।”

भिक्षु की बात सुन कर बुद्ध मुस्कराये और भिक्षु को एक नया शॉल दे दिया!

समाप्त

Click below to follow us:



You Tube

facebook

